Department Of Sanskrit, Soban Singh Jeena University, Almora

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
Discipline Specific Course	4	3	1	0		Nil

Undergraduate Diploma/ Honours in Multidiscplinary Study			
Programme:-Diploma course in SANSKRIT		Year: II	Semester: IV Paper- DSC I
Course Code: DSC 04	Course Title: **संस्कृतसाहित्य, साहित्यकार परिचय एवं निबन्ध**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर पद्यसाहित्य एवं गद्यसाहित्य से सुपरिचित हो सकेंगे।
2. सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन से पद्यसाहित्य की सुगीतात्मकता का सौन्दर्य बोध कर सकेंगे।
3. सम्बन्धित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।
4. प्राचीन एवं अर्वाचीन संस्कृत साहित्यकारों के अध्ययन से प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे।
5. विद्यार्थियों में निबन्ध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता को विकास होगा।

Unit	Topic
Unit I	शिशुपालवधम्–प्रथम सर्ग–01 से 30 श्लोक पर्यन्त– संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त परिचय, महाकाव्य का संक्षिप्त परिचय, शिशुपालवधम् के सर्गों का संक्षिप्त परिचय, कृतिकार का परिचय, श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।
Unit II	शुकनासोपदेश– गद्यसाहित्य का परिचय, कादम्बरी का संक्षिप्त परिचय, गद्यकार परिचय, शुकनासोपदेश के अनुच्छेदों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।
Unit III	प्राचीन सस्कृत साहित्यकारों का परिचय एवं संस्कृत साहित्य में उनका योगदान यथा– वाल्मीकि, व्यास, भास, कालिदास, भवभूति,हर्षवर्धन, बाणभट्ट, शूद्रक, दण्डी,श्रीहर्ष।
Unit IV	अर्वाचीन संस्कृत साहित्यकारों का परिचय एवं संस्कृत साहित्य में उनका योगदान यथा–पण्डित अम्बिकादत्त व्यास, पण्डिता क्षमाराव, आचार्य विश्वेश्वर पाण्डेय, विद्याभूषण श्रीकृष्ण चन्द्र जोशी, लोकरत्न पन्त– गुमानी।
Unit V	निबन्ध लेखन : संस्कृत भाषा में– संस्कृतभाषा, विद्या, उद्योगः, परोपकारः, स्त्रीशिक्षा, अहिंसा, सत्संगतिः, पर्यावरणम् ,भरतीय संस्कृति।

Suggested Reading:

1– शिशुपालवधम्–डॉ0 बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।

2– कादम्बरी :–शुकनासोपदेश।

3– संस्कृत साहित्य का इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।

4– संस्कृत साहित्य का इतिहास–आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

5– आधुनिक संस्कृत साहित्य–डॉ0 हीरालाल शुक्ल।

6– संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास–राधाबल्लभ त्रिपाठी विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।

7– आधुनिक संस्कृत साहित्य सन्दर्भ सूची–राधावल्लभ त्रिपाठी राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।

8 – संस्कृत वाड्मय का बृहद् इतिहास–सप्तम खण्ड आधुनिक खण्ड, उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, उत्तर प्रदेश।

9 – संस्कृतनिबन्धसुधा–डॉ0 राधेश्याम गंगवार, वैदिक पुस्तकालय समिति, देहरादून –2013।

Department Of Sanskrit, Soban Singh Jeena University, Almora

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
Discipline Specific Electives	4	3	1	0		Nil

Under graduate Diploma/ Honours in Multidiscplinary Study			
Programme:- Diploma course in SANSKRIT		Year: II	Semester:IV Paper- DSE II
Course Code: DSE 02	Course Title:**स्मृति एवं स्तोत्रकाव्य**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य की निधि से परिचित होंगे।
2. स्मृतिकाव्य का परिचय प्राप्त कर वेद में निहित ज्ञान को सहजता से समझ सकेंगे।
3. स्मृतिकाव्य के प्रतिपाद्यों से अवगत हो कर अपने जीवन को संस्कारित करने में सक्षम होंगे।
4. स्मृतिकाव्य के अध्ययन से आश्रम व्यवस्था, राजनीति एवं दायभाग के महत्व को समझ सकेंगे।
5. स्तोत्रकाव्य के अध्ययन से ज्ञानप्रद एवं आध्यात्मिक भावनाओं का विकास होगा।

Unit	Topic
Unit I	स्मृति का अर्थ, स्मृति ग्रन्थ का उद्भव एवं विकास, प्रमुख स्मृतिकार एवं स्मृतिग्रन्थ का प्रतिपाद्यविषय।
Unit II	मनुस्मृति– सप्तम अध्यायः वर्ण्यविषय एवं महत्त्व।
Unit III	याज्ञवल्क्य स्मृति व्यवहाराध्याय : वर्ण्यविषय एवं महत्त्व।
Unit IV	स्तोत्र का अर्थ एवं स्तोत्रकाव्य का परिचयएवं द्वादशज्योतिर्लिङ्गस्तोत्रम् का अर्थ एवं महत्त्व।
Unit V	गङ्गाष्टकम् (महर्षि–वाल्मीकिविरचित) श्लोकार्थ एवं महत्त्व।

Suggested Reading:

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास–वाचस्पति गौरोला–चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
2. स्तोत्ररत्नावली–गीताप्रेस गोरखपुर।
3. मनुस्मृति–कुल्लुकभट्टकृत–हिन्दी अनुवाद सहित सम्पादक–राजवीरशास्त्री दिल्ली,आर्षसाहित्य प्रचार ट्रस्ट 1985 वाराणसी चौखम्बा विद्याभवन।
4. याज्ञवल्क्यस्मृति–विज्ञानेश्वर प्रणीत मिताक्षरा टीका, उमेश चन्द्र कृत हिन्दी व्याख्या सहित, वाराणसी चौखम्बा संस्कृत संस्थान।
5. मनुस्मृति–श्री गणेश दत्त पाठक–श्री ठाकुर प्रसाद पुस्तक भण्डार, वाराणसी।
6. मनुस्मृति–उर्मिला रस्तोगी–जे0पी0 पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
7. संस्कृत वाङमय का बृहद् इतिहास– पद्मविभूषण बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ।
8. प्राचीन भारतीय संस्कृति के मूलतत्व– डॉ0 श्रीभगवान शर्मा, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
9. बृहत्–स्तोत्र–रत्नाकर–सम्पादकः पण्डित पुनीत मिश्र,प्रकाशक रुपेश ठाकुर प्रसादप्रकाशन, वाराणसी–221001।

Department Of Sanskrit, Soban Singh Jeena University, Almora

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
General Electives	4	3	1	0		Nil

Undergraduate Diploma/ Honours in Multidiscplinary Study			
Programme:-Diploma course in SANSKRIT		Year: II	Semester:IV Paper- GE II
Course Code: GE 04	Course Title: **संस्कृतसाहित्य में बोधिचित्त**		

Course Outcomes:

उद्देश्य–

1. विद्यार्थियों को बौद्धसाहित्य से परिचित कराना।
2. बौद्ध ग्रन्थों में निहित शिक्षाओं का अवबोध कराना।

अधिगम–

1. विद्यार्थी बौद्धसाहित्य के अध्ययन से भारतीय दर्शन की विविधताओं से परिचित होगें।
2. बौद्धसाहित्य में निहित नैतिक, सामाजिक, व्यावहारिक शिक्षा से भली भॉति परिचित होकर स्वयं को संयमित रखेगे एवं चारित्रिक उन्नति होगीं।

Unit	**Topic**
Unit I	पालिसाहित्य का परिचय, विकास एवं परम्परा।
Unit II	बौद्धग्रन्थ परिचय–धम्मपद, बुद्ध स्तुति, त्रिपिटक, सद्धर्म–पुण्डरीक, नामसंगीति।
Unit III	बोधिसत्व एवं बोधचित्त परिचय एवं परिभाषाएँ।
Unit IV	महायान एवं हीनयान का परिचय।

Suggested Reading:

1. सर्वदर्शनसंग्रह–माधवाचार्य, पं0 मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली।
2. त्रिपिटक–गौतमबुद्ध, पालिटेक्स सोसायटी, लन्दन तथा सारनाथ स्थित महाबोधि सोसायटी एवं संस्कृत वि0वि0 द्वारा प्रकाशित। ईस्टर्न बुक प्रकाशन। नई दिल्ली।
3. धम्मपद–गौतम बुद्ध, ईस्टर्न बुक प्रकाशन। नई दिल्ली।
4, बुद्धस्तुति–(संस्कृत कविता) प्रो0 सी0 उपेन्द्र राव, स्वप्रकाशन–फ्नोम पेन्ह, कम्बोडिया 2016।
5 बोधिचर्यावतार– रामनिवास शास्त्री